v/;k; & 10

NRrhlx< jkT; dk uxjh; foRr ,d o`gr leh{kk

10.1.0 प्रस्तावना :

10.1.1 पिछले अध्याय में हमने छत्तीसगढ़ राज्य की ***u-LFkk-fudk;k*** की विभिन्न श्रेणियों के उन कार्यात्मक एवं वित्तीय अधिकारों को प्रस्तुत किया है, जो उन्हें राज्य सरकार द्वारा संवैधानिक प्रावधानों को समाहित करते हुये अधिनियमित विधानों द्वारा अंतरित किये गये हैं। इस अध्याय में हम ***mu foRrh; lk/kuk dh o`gr leh{kk ,o eY;kdu djx] ftUg uxjh; fudk; Lo;a d ,o ckgjh lkrk l tVkrh g*** । हम देखेगें, कि वे किस सीमा तक अपने ***jktLo 0;;*** एवं ***dy 0;;*** को अपने ***Lo;a d lk/kuk ,o dy lk/kuk*** से पूरा कर पाते हैं ? उनके बजट, उनकी नियोजन योग्यता तथा उनके व्यय की प्राथमिकताओं के द्योतक होते हैं। अतएव उनके बजटों की समीक्षा हमें इस संबंध में बहुमूल्य जानकारी देगी, कि नगरीय निकाय किस प्रकार उन्हें विधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुये अपने साधन जुटाते है तथा उन साधनों के उपयोग में उनकी प्राथमिकतायें क्या हैं परन्तु प्रारंभ में ही यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है, कि उनकी नागरिक सेवाओं का आकार एवं गुणवत्ता न केवल उनके पास उपलब्ध वित्तीय साधनों की मात्रा से वरन् उस कुशलता एवं प्रभावशीलता से भी निर्धारित होती है, जिससे वे उन साधनों का उपयोग करते हैं। इस कथन में पर्याप्त सच्चाई है, कि ***;g t:jh ugh g] fd ek= ^0;;^ dk vFk ^ifj.kke^*** हो।

10.2.0 नगरीय स्थानीय निकायों की वृहत रूपरेखा :

10.2.1 जब किसी एक श्रेणी विशेष के सभी ***u-LFkk-fudk;*** एक समान विधान से संचालित होते हैं, तो विधान उन्हें राजस्व जुटाने एवं व्यय करने के समान अधिकार प्रदान करता है। फिर भी उनमें अपने विभिन्न घटकों जिनसे वे साधन जुटाते है एवं अपने व्यय स्वरूपों में तथा सेवा प्रदाय में उनकी कुशलता के स्तरों में भिन्नतायें हैं। ऐसा

क्यों होता है ? इसका आंशिक उत्तर उस वृहत ढाँचे में है, जिसके अंतर्गत कोई ***u-LFkk-fudk;*** कार्य करता है। इनका यह ढाँचा एक दूसरे से भिन्न होता है। वृहत ढांचे से आशय उस संपूर्ण वातावरण से होता है, जिसमें ***u-LFkk-fudk;*** कार्यरत हैं तथा जिसमें वे अपनी क्रियाओं को संचालित करते हैं। यह विविध जटिल एवं परिवर्तनशील होता है तथा अनेक कारकों से बनता है, जैसे दीर्घ इतिहास उन्हें राजस्व जुटाने एवं उसे व्यय करने तथा उनकी शक्तियाँ एवं अधिकार प्रदान करने वाले विधान, उनकी जनसंख्या, उसका विकास एवं विभिन्न क्रियाओं में उसका वितरण, उनका भौगोलिक अधिकार क्षेत्र, बाहरी जगत से उनके संपर्क, उनका आर्थिक एवं सामाजिक स्तर, केन्द्रीयकरण अथवा स्वायतत्ता कार्यात्मक एवं वित्तीय दोनों का स्तर, कर आधार, प्रशासन तन्त्र, व्यय उतरदायित्व, जो उसकी स्थिति, आकार, बसाहट समूहों के स्थानिक फैलाव और भू–रचना जैसे कारणों से प्रभावित होता है। उनके वित्त की वृहत समीक्षा करते समय हमारे पास इन सभी कारकों के ***u-LFkk-fudk;kas*** के वृहत ढाँचे पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने के लिये आवश्यक जानकारी एवं समंक उपलब्ध नहीं हैं परन्तु जहाँ–जहाँ समंकों की उपलब्धता से यह संभव होगा, हम इन कारकों के ***u-LFkk-fudk;kas*** के वृहत ढाँचे पर पड़ने वाले प्रभाव जो उनके कार्यात्मक एवं वित्तीय निष्पादन को प्रभावित करते हैं, पर प्रकाश डालने का प्रयास करेंगे। ऐसा हम इस अध्याय में वृहत समीक्षा करते समय नहीं वरन् किसी अगले अध्याय में व्यक्तिगत ***u-LFkk-fudk;kas*** की सूक्ष्म समीक्षा करते समय भी करेंगे। संविधान के अनुच्छेद 243(i) एवं 280(3) में समाहित अधिदेश तथा इस आयोग के विचाराधीन विषयों (TOR) पर ध्यान देने के लिये ***u-LFkk-fudk;kas*** के वित्त का मूल्यांकन अत्यन्त आवश्यक है।

10.3.0 नगरीय स्थानीय निकाय वित्त की वृहत समीक्षा के प्रमुख उद्देश्य :

10.3.1 इस वृहत समीक्षा के कतिपय उद्देश्य निम्नानुसार है :–

(i) ***u-LFkk-fudk;kas dh foRrh; LokLF;*** की झलक प्राप्त करना,

(ii) विभिन्न स्वरूपों में उनके ***dk;kZRed ,oa jktdks"kh; fodsUnzhdj.k*** कहाँ तक हुआ है, इसकी जानकारी करना,

(iii) वृहत से सूक्ष्म समीक्षा, जिसे हम आगे अध्याय में करेंगे, की ओर हमारी यात्रा को सुगम बनाना,

(iv) किन्हीं वस्तु–परक आधारों पर राजस्व एवं व्यय के पूर्वानुमान तैयार कर, ***jktLo vrjky d vkdyu*** की क्षमता प्रदान करना,

(v) ***u-LFkk-fudk;k*** की साधन जुटाने की क्षमता एवं उन साधनों पर दबाव के बीच अंतराल को कम करने के उद्देश्य से उनके ***lk/ku c<ku ,o foRr dh iujpuk lc/kh l>ko*** प्रस्तुत करने के कार्य को सुगम बनाना।

10.4.0 समंकों की उपलब्धता :

10.4.1 ***u-LFkk-fudk;k d foRr dh ogr leh{kk d fy; mud foRr d fofHkUu igyvk dh i;kIr ,o nh?kdkyhu tkudkjh vko';d gA*** हमें ज्ञात है, कि वर्तमान में राज्य सरकार की कोई एजेन्सी ऐसे समंकों का एकत्रीकरण एवं प्रकाशन नियमित रूप से नहीं करती। वास्तव में ऐसे समंकों के एकत्रीकरण का उत्तरदायित्व राज्य सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय का है। केवल हाल ही में विभिन्न राज्यों के स्थानीय निकायों के वित्त संबंधी कुछ समंक ***o"k 1998&99 l 2002&03*** की अवधि के लिये XIIवें वि.आ. द्वारा उपलब्ध कराये गये है, परन्तु ये समंक अत्यधिक समूहीकृत स्वरूप में हैं तथा ***u-LFkk-fudk;k*** के कर एवं गैर–कर राजस्व तथा राजस्व एवं पूंजीगत व्यय में उनके वांछित विभाजन नहीं बताते। यद्यपि ***XIIo fo-vk-*** द्वारा प्रकाशित समंक राज्य की सभी श्रेणियों की ***u-LFkk-fudk;k*** के सम्मिलित समंक प्रस्तुत करते हैं। हमने इन समंकों को राज्य सरकार द्वारा ***XIIo fo-vk-*** को प्रस्तुत अपने स्मरण–पत्र में दिये गये **u-LFkk-fudk;k** की तीन श्रेणियों संबंधी पृथक समंकों से संपूरित करने का प्रयास किया है। ***XIIo fo-vk-*** एवं राज्य सरकार के स्मरण–पत्र द्वारा प्रदत्त समंको की सहायता से हम राज्य की ***u-LFkk-fudk;k*** के वित्त की मोटे तौर पर समीक्षा कर सके हैं। इस प्रकार उपलब्ध समंक काफी हद तक इस उद्देश्य की पूर्ति एवं मूल्यांकन कर सकेंगे, कि राज्य के नगरीय निकाय कहाँ तक विकेन्द्रीकरण एवं राजकोषीय स्वायतत्ता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

10.5.0 राजकोषीय विकेन्द्रीकरण एवं राजकोषीय स्वायतत्ता के संकेतांक :

10.5.1 अब हम, समंकों की उपलब्धता के अनुसार कतिपय संकेतांकों की सहायता से इस बात का मूल्यांकन करेंगे, कि संविधान की दो महत्वूपर्ण अपेक्षाओं, राजकोषीय विकेन्द्रीकरण एवं राजकोषीय स्वायत्तता की दिशा में राज्य के नगरीय निकाय कहाँ तक आगे बढ़ चुके हैं। वर्तमान वृहत समीक्षा की यही मंशा है।

10.5.2 वर्तमान अध्ययन में हमने जिन ***jktdk'kh; fodUnhdj.k ,o jktdk'kh; Lok;Rrrk lidrkdk dk mi;kx*** किया है, उनमें में कुछ प्रमुख निम्नानुसार हैं :–

- (i) राज्य के ***LFkkuh; fudk;k*** के स्वयं का राजस्व एवं व्यय, ***dUnh; ,o jkT; ljdkjk*** के राजस्व एवं व्यय के प्रतिशत के रूप में,
- (ii) कुल ***LFkkuh; fudk;*** व्यय, ***dUnh; ,o jkT; ljdkjk*** के कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में,
- (iii) ***LFkkuh; fudk;k*** का स्वयं का कर राजस्व, ***jkT; ljdkj*** के कर राजस्व के प्रतिशत में,
- (iv) ***LFkkuh; fudk;k*** का कुल राजस्व एवं व्यय, राज्य के ***l-jk-?k-m-*** के प्रतिशत में,
- (v) ***u-LFkk-fudk;k*** का कुल राजस्व एवं व्यय, ***xj dk"k*** के कुल ***l-jk-?k-m.***के प्रतिशत में,
- (vi) ***i-jk-lLFkkvk*** का कुल राजस्व एवं व्यय, ***ikFkfed {k=*** के कुल ***l-jk-?k-m-*** के प्रतिशत में।

10.6.0 राजकोषीय स्वायतत्ता के संकेतांक :

10.6.1 ***jktdk"kh; Lok;rRrk d lidrkd*** निम्नानुसार हैं :–

- (i) स्थानीय आधार पर जुटाये गये साधन (कर एवं गैर कर दोनों), ***LFkkuh; fudk;k*** के कुल व्यय के प्रतिशत में,
- (ii) ***LFkkuh; fudk;k*** के कुल राजस्व में, स्थानीय आधार पर जुटाये गये स्वयं के साधनों का प्रतिशत,
- (iii) ***LFkkuh; fudk;k*** के कुल राजस्व व्यय में, स्वयं के राजस्व साधनों का प्रतिशत,

(iv) ***LFkkuh; fudk;k*** के कुल राजस्व में, बाह्य प्रदत्त साधनों का प्रतिशत,

(v) ***LFkkuh; fudk;k*** के राजस्व व्यय में, स्वयं की राजस्व प्राप्तियों का प्रतिशत,

(vi) ***LFkkuh; fudk;k] jkT; ,o dUn ljdkj*** का प्रति व्यक्ति राजस्व एवं व्यय।

10.7.0 राज्य में स्थानीय निकायों का राजकोषीय विकेन्द्रीकरण एवं राजकोषीय स्वायतत्ता :

10.7.1 इससे पहले, कि हम राज्य में केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय सरकारों संबंधी कतिपय राजकोषीय चरों के समंकों की व्याख्या करें, हम यह उल्लेख करना चाहेंगे, कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के उपलब्ध वित्तीय समंक केवल दो वर्षों ***2001&02 ,o 2002&03*** के लिये हैं, क्योंकि इससे पूर्व पृथक छत्तीसगढ़ राज्य, जिसकी स्थापना 1 नवम्बर, 2000 को हुई, अस्तित्व में नहीं था। वित्तीय वर्ष 2000–01 के वित्तीय समंक नये राज्य के पूरे वित्तीय वर्ष के लिये नहीं थे। हम यह भी उल्लेख करना चाहेंगे, कि देश के सकल सार्वजनिक वित्त में राज्य के स्थानीय निकायों की समग्र स्थिति को समझने के लिये हमने ***ipk;rk ,o u-LFkk-fudk;k*** दोनों के वित्त को सम्मिलित रूप से लिया है। जो कुछ न्यून समंक हम **lkj.kh d- 10-1** में प्रस्तुत कर रहे हैं, वे ***LFkkuh; fudk;k dh jktdks"kh; fodUnhdj.k ,o jktdks"kh; Lok;rRrk dh fn'kk dh vkj lkekU; iofRr;k d ldr*** दे सकेंगे। अगले परिच्छेदों में हमने ***u-LFkk-fudk;k*** के राजकोषीय विकेन्द्रीकरण एवं राजकोषीय स्वायतत्ता को पृथक–पृथक भी प्रस्तुत किया है।

10.7.2 ***lkj.kh Ø- 10-1 dUn ,o jkT; foRr d lnHk e jkT; d LFkkuh; fudk;k d foRr*** को प्रस्तुत करती है।

10.7.3 **lkj.kh Ø- 10-1** इस बात का पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करती है, कि राज्य में केन्द्र के कुल राजस्व में स्थानीय निकायों के कुल राजस्व के अंश के रूप में राज्य में राजकोषीय विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया पिछड़ गयी है। यह अंश 1998–99 के 0.13% से घटकर 2002–03 में 0.11% रह गया। यद्यपि ***dUnh; 0;;*** के प्रतिशत के रूप में ***LFkkuh; fudk;k dk dy 0;;] dy jktLo*** से अधिक है, फिर भी इसमें वर्ष 1998–99 के 0.13% की तुलना में 2002–03 में 0.21% होकर केवल सीमांत वृद्धि

ही हुई है। यह ***jktLo fodUnhdj.k*** के, ***0;; fodUnhdj.k*** से पिछड़ने का द्योतक है। संभव है, ***LFkkuh; 0;;]LFkkuh; jktLo*** की तुलना में केन्द्र से ***dUnz iofrZr ;kstukvk***, जिनकी संख्या एवं विविधता कई गुना बढ़ी है, के लिये राशियों के हस्तांतरण के कारण हो। परन्तु यह तथ्य अपनी जगह कायम है, कि स्थानीय वित्त केन्द्रीय वित्त का एक नगण्य अनुपात है तथा देश के सार्वजनिक वित्त में उनका स्थान किनारे का ही रहा है।

10.7.4 लगभग ऐसी ही स्थिति ***LFkkuh; fudk;ks d jktLo ,o 0;; d fodUnhdj.k*** के संबंध में उभरती है, जिसका द्योतक ***jkT; foRr e LFkkuh; fudk;k*** का प्रतिशत अंश है। ***jkT; d dy jktLo*** के प्रतिशत के रूप में ***LFkkuh; fudk;k dk dy jktLo*** 2001–02 के 951% से घटकर 2002–03 में 900% रह गया। इसी अवधि में ***dy 0;;*** का प्रतिशत 14.29% से घटकर 13.68% रह गया। यह इस बात का द्योतक है, कि ***jktdk"kh; fodUnhdj.k l dk;kRed fodUnhdj.k vf/kd jgk g]*** जो ***jkT; d dy jktLo e LFkkuh; jktLo*** के अंश की तुलना में, ***jkT; ljdkj d dy 0;; e LFkkuh; fudk;k d dy 0;;*** के ऊँचे अंश से स्पष्ट होता है।

10.7.5 ***jkT; d Lo;a d dj jktLo*** में ***LFkkuh; fudk;k d Lo;a dk dj jktLo*** वर्ष 2001–02 के 419% की तुलना में गिरकर 2002–03 में 353% रह गया। इसका निहितार्थ है, कि स्थानीय निकाय अपने ***Lo;a d djk*** के माध्यम से राजस्व जुटाने के गंभीर प्रयास नहीं कर रहे हैं। यह प्रतिशत केवल कम ही नहीं है वरन् उसमें गिरावट हो रही है। यह इस कारण भी संभव है, कि स्थानीय निकायों को ऐसे कर ही अधिरोपित करने के अधिकार हैं, जो ***de mRiknd ,o de ykpnkj*** हैं।

10.7.6 राजकोषीय स्थिति का एक संतोषजनक पहलू यह है, कि ***jkT; ljdkj d iwthxr 0;;*** के प्रतिशत के रूप में ***LFkkuh; fudk;k dk iwthxr 0;;*** पर्याप्त ऊँचा रहा है। वर्ष 2001–02 में 55.30%, यद्यपि अगले वर्ष इसमें काफी अधिक गिरावट हुई और यह 35.28% रह गया। राज्य के स्थानीय निकायों को राज्य एवं केन्द्र सरकारों तथा

वित्तीय संस्थाओं से अनेक योजनाओं के अंतर्गत पूँजीगत निवेश के लिये राशियाँ प्राप्त हो रही हैं।

10.7.7 कुल मिलाकर स्थिति निराशाजनक है, क्योंकि राज्य सरकार के वित्त की तुलना में स्थानीय निकाय अपने राजस्व एवं व्यय में कोई विशेष वृद्धि नहीं बता रहे हैं। यह राज्य में विकेन्द्रीकरण प्रक्रिया के पिछड़ने का द्योतक है। यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा, कि ***jkT; d jktLo e] jkT; d 0;; e LFkkuh; fudk;k d vi'k e of) gkA***

10.8.0 राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद के संदर्भ में स्थानीय वित्त :

10.8.1 ***jktdk"kh; fodUnhdj.k*** का एक अन्य संकेतक जिसका प्रायः उपयोग किया जाता है वह है, ***jkT; d l-jk-?k-m- e LFkkuh; fudk;k d jktLo ,o 0;; dk ifr'kr***। आशा की जाती है, कि ***LFkkuh; fudk; viu Lo;a d dj ,o xj dj lk/kuk d ek/;e l l-jk-?k-m- dh lhekr of) dk c<rk gvk vuikr tVkdj l-jk-?k-m- e viu jktLo ,o 0;; dk vuikr ikIr djxA***

10.8.2 **lkj.kh Ø- 10-2** में यह स्थिति प्रस्तुत की गयी है, जो **vuyXud Ø- 10-1** पर आधारित है ।

10.8.3 **lkj.kh Ø- 10-2** स्पष्ट करती है, कि ***LFkkuh; fudk;k }kjk tVk;h x;h] dy ikfIr;k rFkk ckgjh lkrk l gLrkrfjr lk/ku feydj l-jk-?k-m- dk vR;Ur fuEu vuikr gkrk gA*** ये 1998–99 में 207% था, जो 2000–01 में बढ़कर 2.57% परन्तु पुनः घटकर 2002–03 में 1.78% रह गया। कुल प्राप्तियों में होने वाली थोडी सी वृद्धि का कारण संभवतः बाह्य स्रोंतों से उन्हें प्राप्त होने वाले साधनों का बढ़ता अनुपात है। यह अच्छा संकेत है, कि ***l-jk-?k-m- d ifr'kr d :i e mud dy 0;;*** में सीमांत वृद्धि ही हुई है, 1998–99 के 2.30% से बढ़कर 2002–03 में 2.77%। यह वृद्धि भी विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राज्य एवं केन्द्र सरकारों से स्थानीय निकायों को साधनों के बढ़ते प्रवाह के कारण हो सकती है। उनका ***dy dj jktLo l-jk-?k-m-*** का अत्यन्त न्यून अनुपात बमुश्किल 0.28% था।

अध्ययन अवधि में उनके ***Lo;a dk dqy lk/ku*** औसतन 0.67% थे। स्थानीय निकायों के ***dqy 0;; dk l-jk-?k-m-*** में अंश बढ़ा है। उनका ***iwathxr 0;;*** अधिकांश वर्षो में ***l-jk-?k-m-*** के 1% से कम है, जो ***jktLo 0;;*** के प्रतिशत से काफी कम है। ***jktdks"kh; fodsUnzhdj.k ds vius Lrj dks mBkus ds fy;s jkT; ds LFkkuh; fudk;ks dks orZeku dh rqyuk esa l-jk-?k-m- dk vf/kd vuqikr tqVkuk gksxkA***

10.8.4 अब हम, ***jkT; ds l-jk-?k-m-esa mudk jktLo ,oa 0;; dk vuqikr*** के रूप में पृथक से ***u-LFkk-fudk;ksa*** के निष्पादन का अध्ययन करेंगे। **lkj.kh Ø- 10-3** में स्थिति प्रस्तुत की गई है।

10.8.5 यह ध्यान में रखते हुये, ***fd jkT; dh l-jk-?k-m- dk 60% ls vf/kd mRiknu uxjh; {ks=ksa esa fd;k tkrk gS] u-LFkk-fudk;ksa*** से संबंधित स्थिति निराशाजनक है, यद्यपि यह ग्रामीण स्थानीय निकायों से बेहतर है। ***o"kZ 1998&99 esa jkT; ds u-LFkk-fudk;ksa dh dqy ikfjlEifRr;ksa xSj&ikfFkfed {ks= dh l-jk-?k-m- dk 1-05% Fkh] tks 2002&03 esa c<dj 1-34% gks xbZA dqy 0;;*** का ***xSj&ikfFkfed l-jk-?k-m-*** से अनुपात जो 1998–99 में 0.93% था, बढ़कर 2002–03 में 1.26% हो गया। उन सभी वर्षो में जिनके लिये समंक दिये गये हैं, ***u-LFkk-fudk;ksa dk dqy 0;; dk xSj ikfFkfed l-jk-?k-m- ls izfr'kr] dqy ikfjlEifRr;ksa ls de jgk gSA bldk vFkZ gS] fd os viuh 0;; dh rqyuk esa vf/kd lk/ku tqVk jgh gSA os fofHkUu lzksrksa Lo;a ds ,oa ckgj ls iklr lk/kuksa dks 0;; djus dh fLFkfr esa ugha gSA LFkkuh; fudk;ksa }kjk iznRr uxjh; lsokvksa dh ek=k ,oa xq.koRrk nksuksa nf"Vdks.kksa ls detksj fu"iknu dks n'kkZrs gq;s vfrfjDr ctV lgu ugha fd;s tk ldrsA bl ckr dh tkap dh tkuk vko';d gS] fd jkT; esa ,slh fLFkfr D;ksa vkbZ dSls fufeZr gqbZA*** व्यक्तिगत ***u-LFkk-fudk;ksa*** के वित्त के मूल्यांकन के समय हम इस विषय का कुछ विस्तार से अध्ययन करेंगे।

10.8.6 ***Lo;a dk dj jktLo*** के संबंध में ***iz-jk-lEifRrdj dk ikfFkfed {ks= ds l-jk-?k-m-*** में प्रतिशत अंश वर्ष 2002–03 में 0.04% था एवं ***Lo;a ds jktLo*** के संबंध में 1%

से भी कम था, जो अत्यन्त न्यून है। वर्ष 1998–99 में ***i-jk-lLFkkvk dk dy jktLo ikFkfed {k= d l-jk-?k-m-*** का 400% था, जो 2002–03 में घटकर 2 68% रह गया, परन्तु ***l-jk-?k-m-*** के प्रतिशत के रूप में ***i-jk-lLFkkvk dk dy 0;;*** उनके ***jktLo*** प्रतिशत से अधिक रहा है। इसका अर्थ है, कि ***o viu Lo; d lk/kuk l ikIr jktLo rFkk vU; ,tfUl;k l gLrkrj.k d :lk e ikIr jkf'k l vf/kd 0;; dj jgh gA***

10.9.0 राज्य के स्थानीय निकायों की राजकोषीय स्वायतत्ता :

10.9.1 संवैधानिक संशोधन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य स्थानीय निकायों के स्तर को **Lo'kklu dh Lok;Rr bdkb;k** के स्तर तक उठाना है। इसके लिये स्थानीय निकायों की बाहरी स्रोत पर निर्भरता कम तथा स्वयं के स्रोतों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि आवश्यक होगी, परन्तु किसी भी परिसंघ (फेडरेशन) में पूर्ण स्वायतत्ता अकल्पनीय है। स्थानीय निकाय शासन के उच्च स्तरों, राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार पर साधनों के अंतरण के लिये निर्भर बने रहेंगे। जैसा कि इस अध्याय के एक पूर्व खण्ड में बताया गया है, ***Lok;rRrk d vud ldrd gk ldr gA ijUr lcl egRoi.k ldrd ;g g] fd LFkkuh; fudk; fdl lhek rd viu 0;; dh ifrifr viu Lo; d lk/kuk l dj ikr gA*** किस सीमा तक वे अपनी कुल प्राप्तियों में अपने स्वयं के साधनों का योगदान कर पाते हैं। इन प्रश्नों के उत्तर **lkj.kh Ø- 10-4** में खोजे जा सकते हैं।

10.9.2 राज्य के स्थानीय निकाय किस सीमा तक राजकोषीय स्वायतत्ता की दिशा में आगे बढ रहे हैं? इस प्रश्न के उत्तर के लिये हमें कुछ चरों के व्यवहार का अध्ययन करना होगा। यह अत्यन्त निराशाजनक है, कि ***LFkkuh; fudk;k dk Lo; dk dy jktLo*** वर्ष 1998–99 में अपने ***dy 0;;*** के केवल 28.53% का वित्त पोषण कर सका था तथा यह प्रतिशत कम होकर 2002–03 में 19.31% के निम्न स्तर पर रह गया। यदि हम ***LFkkuh; fudk;k*** के केवल ***jktLo 0;;*** को ही लें, तो हम पाते है, कि 1998–99 में उनका ***Lo; dk jktLo mud jktLo 0;;*** के केवल 48.77% का वित्त पोषण कर पाया था तथा यह प्रतिशत 2002–03 में घटकर 28.82% रह गया। उनका ***dy jktLo] Lo; dk ,o vU;U= l ikIr*** मिलाकर वर्ष 1998–99

में अपने ***dy 0;;*** के 90.10% का वित्त पोषण कर सका था, परन्तु यह प्रतिशत घटते–घटते 2002–03 में 64.30% तक कम हो गया। ***vf/kd Lok;rRrk ikIr djus ds fy;s mUgsa viu dy 0;; dk vf/kdkf/kd ifr'kr Lo;a ds lk/kuks ls ijk djuk gksxkA*** अध्ययन अवधि में ***dy ikfIr;ks*** के प्रतिशत के रूप में उनके ***dj jktLo*** में धीमी वृद्धि हुई, 11.93% से 14.57%। परन्तु उनके ***xSj dj jktLo*** के प्रतिशत में गिरावट हुई है। ***dy jktLo*** के प्रतिशत के रूप में उनका ***Lo;a dk jktLo*** 31.66% से घटकर 30.03% रह गया, जिसके परिणाम स्वरूप ***lkis x;s jktLo] vrj.k ,oa lgk;rk vunkuks*** पर उनकी निर्भरता ***dy jktLo*** के 68.34% से बढ़कर 69.97% हो गयी। ***dy 0;; ea jktLo 0;;*** का प्रतिशत जो 1998–99 में 58.49% था, बढ़कर 2002–03 में 67.00% हो गया। इसके विपरीत ***iwthxr 0;;*** का प्रतिशत अंश कम हो गया है।

10.9.3 ***dy feykdj jkT; ds LFkkuh; fudk; jktdks"kh; Lok;rRrk dh fn'kk eas vkxs ugh c< jgs gS]*** जैसा कि अनेक संकेतकों से स्पष्ट हुआ है।

10.10.0 वित्तीय विकेन्द्रीकरण का विस्तार :

10.10.1 ***lkj.kh Ø- 10-5*** में ***jkT; ea fodsUnhdj.k ds foLrkj dks n'kkrs gq;s dN egRoi.kZ vuqikr fn;s x;s gSA*** यद्यपि राज्य का दावा है, कि उसने अनुसूची *XI* ***,oa*** *XII* में विचारित अधिकांश कार्यो को स्थानीय निकायों को अंतरित कर दिया है, ***foRrh; fodsUnhdj.k tks dk;kRed fodsUnhdj.k ds LkkFk gh vko';d :i ls c<kuk Fkk] ds ekeys ea fLFkfr lrks"ktud ugha gS***। इस संदर्भ में हम तीन अनुपातों का अध्ययन करेंगे– (i) ***0;; fodsUnhdj.k vuqikr]*** (ii) ***jktLo fodsUnhdj.k vuqikr*** तथा (iii) ***jktdks"kh; Lok;rRrk vuqikr***। व्यय विकेन्द्रीकरण अनुपात का माप राज्य सरकार के कुल व्यय में, कुल स्थानीय व्यय का प्रतिशत है। ***jktLo fodsUnhdj.k vuqikr*** का माप राज्य सरकार के कुल कर राजस्व के प्रतिशत के रूप में, स्थानीय निकायों का कुल कर राजस्व है। ***jktdks"kh; Lok;rRrk dk eki*** कुल स्थानीय जुटाये गये साधन, कर एवं गैर कर दोनों, स्थानीय निकायों के कुल व्यय का प्रतिशत माना गया है।

10.10.2 ***jkT; esa 0;; fodsUnhdj.k vuqikr] jktLo fodsUnhdj.k ls dkQh vf/kd gS] tks bl ckr dk |ksrd gS] fd jkT; ljdkj LFkkuh; fudk;ksa dks vf/kdkf/kd dk;ksZ dk varj.k rks djrh jgh gS ijUrq mu dk;ksZ ds fu"iknu ds fy;s i;kZIr jkf'k;ksa dk varj.k ugha fd;k gSA*** समय के साथ ***jktdks"kh; Lok;Rrrk vuqikr*** में भी गिरावट हुई है, यह 1998–99 के 28.53% से कम होकर 2002–03 में 19.31% रह गया। ***fo'ys"k.k n'kkZrk gS] fd jktLo dk fodsUnhdj.k dk;ksZ ds fodsUnhdj.k ds lery; ,oa muds lkFk&lkFk ugha gks ldk gS] ;g Hkh fd LFkkuh; fudk; Lo;a viuk dj ,oa xSj dj jktLo tqVkus dh fn'kk esa xEHkhj iz;kl ugha dj jgs gSA jktLo fodsUnhdj.k] 0;; fodsUnhdj.k*** से पिछड़ रहा है। यदि ***jktdks"kh; Lok;Rrrk*** को ऊँचें स्तर तक बढ़ाना है, तो दोनों के बीच अंतर को भरना होगा, जिससे व्यय के अधिकाधिक अंश की पूर्ति स्थानीय आधार पर जुटाये गये साधनों से की जा सके। यह उल्लेख करना पुनः आवश्यक है, कि संघीय संरचना में ***0;; fodsUnhdj.k ,oa jktLo fodsUnhdj.k*** के बीच पूर्ण समायोजन संभव नहीं है। अंतराल के कुछ अंश की प्रतिपूर्ति शासन के उच्च स्तरों से निम्न स्तरों को राशियों के अंतरण के द्वारा ही करनी होगी, परन्तु अंतरण से स्थानीय शासन की राजकोषीय स्वायतत्ता में सुधार होना चाहिये, जिससे वे स्व–शासन की इकाई का स्तर पा सकें।

10.11.0 नगरीय स्थानीय निकायों का वित्त :

10.11.1 संवैधानिक संशोधन में कार्यो की एक सूची दी गयी है, जिनका निष्पादन ***u-LFkk-fudk;ksa*** के द्वारा होना है। सामान्य नियम न.स्था.निकायों को ऐसे कार्यो को सौंपने का है, जिनके लाभ स्थानीय है, परन्तु संविधान संशोधन के द्वारा ***XII oha vuqlwph*** में ऐसे कार्य भी शामिल हैं, जिन्हें नगरीय निकाय ऐतिहासिक रूप से निष्पादित नहीं कर रहे हैं, जिनकी वितरणात्मक एवं विकासात्मक भूमिका भी है तथा जिनके प्रभाव उनके संबंधित अधिकार प्रक्षेत्रों के बाहर भी बिखरे हुये है। वर्ष 1991 में प्रारंभ आर्थिक सुधारों ने नगरीय अधोसंरचना एवं नगरीय कार्य तथा सुविधाओं की मांग में नये आयाम जोड़े हैं ।

10.11.2 यह एक सर्वज्ञात तथ्य है, कि नगरीय निकायों में उनकी मौलिक आवश्यकताओं की तुलना में सेवाओं एवं सुविधाओं की काफी कमी है। बढ़ाने की तो बात ही छोड़ें, नगरीय निकाय अपने वर्तमान उपलब्ध साधनों से उनके द्वारा प्रदत्त सुविधाओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। रायपुर शहर देखते ही 1 नवम्बर, 2000 को नये राज्य छत्तीसगढ़ की राजधानी बन गया। राजधानी नगर के लिये उसके पास अधोसंरचना नहीं थी। उसकी जनसंख्या में अचानक उछाल आया, जिससे वर्तमान सुविधाओं पर अत्यधिक दबाब बढ़ा है। शहर को विस्तार की तथा साथ ही वर्तमान अधोसंरचना एवं सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता है। राशियों की माँग, नगर पालिक निगम की स्वयं के स्रोंतों से साधन जुटाने की क्षमता से कहीं अधिक है।

10.11.3 **vuqyXud d- 10-2] 10-3] 10-4 ,o 10-5** में प्रस्तुत ***uxj ikfyd fuxe***, ***uxj ikfydk ifj"kn*** एवं ***uxj iapk;r*** के वित्त की पृथक–पृथक स्थिति तथा साथ ही, राज्य के समस्त ***u-LFkk-fudk;ksa dh foRr*** की समग्र स्थिति प्रस्तुत की गई है। समेकित रूप से सभी ***u-LFkk-fudk;*** तथा 3 प्रकार के ***u-LFkk-fudk;*** के लिये पृथक–पृथक रूप से संक्षिप्त स्थिति प्रस्तुत करने के उद्देश्य से यहाँ हमने कुछ सारणियाँ, अनुलग्नक में शामिल समंकों के आधार पर बनाई हैं।

10.11.4 **lkj.kh Ø- 10-6** में ***jkT; ds jktdks"kh; ifjn`'; esa u-LFkk-fudk; dh fLFkfr*** दर्शायी गई है।

10.11.5 **lkj.kh Ø- 10-6** से स्पष्ट है, कि देश एवं राज्य के सार्वजनिक वित्त में राज्य की ***u-LFkk-fudk;*** का नगण्य अंश है। वर्ष 2001–02 में उनकी कुल प्राप्तियाँ, राज्य सरकार की कुल प्राप्तियों की 4.53% थीं, जो 2002–03 में घटकर 4.50% रह गईं। व्यय के संबंध में स्थिति भिन्न है, वर्ष 2001–02 में ***u-LFkk-fudk;*** का ***dqy 0;;] jkT; ds dqy 0;;*** का 3.97% था, जो 2002–03 में बढ़कर 4.15% हो गया। सारणी से एक यह महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट होता है, कि राजस्व के प्रतिशत, व्यय के प्रतिशतों से अधिक हैं। जिसका अर्थ है, कि राज्य के नगरीय निकाय अपने स्वयं के एवं बाहरी स्रोतों से अपने व्यय की तुलना में, अधिक साधन जुटा रहे हैं। नगरीय सेवाओं की शोचनीय स्थिति को देखते हुये, यह चिंताजनक है। हम एक अगले अध्याय

में जहाँ हम ***jkT; d u-LFkk-fudk;k d foRr dk l{e Lrjh;*** विवेचन करेंगे, इस विषय का और आगे परीक्षण करेंगे।

10.12.0 राज्य के नगरीय स्थानीय निकायों का वित्त :

10.12.1 अभी तक हमने ***xkeh.k ,o uxjh; nkuk LFkkuh; fudk;k d foRr dh lfEefyr*** रूप से चर्चा की है। अब हम ***xkeh.k LFkkuh; fudk;k*** से भिन्न राज्य के ***u-LFkk-fudk;k d foRr*** का पृथक से अध्ययन करेंगे। **lkj.kh Ø- 10-7** संबंधित स्थिति प्रस्तुत करती है।

10.12.2 **lkj.kh Ø- 10-7** से स्पष्ट होता है, कि ***dy jktLo*** के प्रतिशत के रूप में राज्य के ***u-LFkk-fudk;k*** का ***Lo; dk dj jktLo*** वर्ष 1998–99 के 34.19% से घटकर 2002–03 में 27.58% रह गया। इसका निहितार्थ है, कि राज्य की ***u-LFkk-fudk;k*** ने अपने–अपने अधिकार क्षेत्रों में निर्मित आय के बढ़ते हुये अनुपात को ***dj jktLo*** के माध्यम से नहीं जुटाया है। यही स्थिति ***xj dj jktLo*** की है, जिसमें अत्यधिक गिरावट हुई है। परिणाम स्वरूप अपने ***dy jktLo*** के प्रतिशत के रूप में ***uxjh; fudk;k d Lo; d dy lk/kuk*** में, जो 1998–99 में 63.31% था, 2002–03 में कम हो कर 39.17% रह गया। अपनी ***dy ikfIr;k*** के प्रतिशत के रूप में उनके ***lgk;rk vunku lkii x; jktLo ,o vrj.k*** कुल मिलाकर, जो 1998–99 में 33.40% था, 2002–03 में बढ़कर 57.23% हो गया। इसका अर्थ है, कि उनके ***dy lk/kuk*** में आधे से अधिक ***ckgjh lkr*** से प्राप्त होते हैं। वर्ष 1998–99 में ***uxjh; fudk;*** अपने ***dy 0;;*** के 71.39% की प्रतिपूर्ति कर सकें, जो उत्साहवर्धक है, परन्तु यह घटकर 2002–03 में 41.50% रह गई। ***u-LFkk-fudk;k*** की ***dy ikfIr;k] dy 0;;*** से अधिक होने से उनके बजटों ने अतिरेक की विचित्र स्थिति को जन्म दिया है। ***viu foRr dh ,lh fLFkfr d lnHk e jkT; d uxjh; fudk; jktdk"kh; Lok;rRrk ,o foRrh; fodUnhdj.k dh vkj ugh c< jg gA***

10.12.3 **lkj.kh Ø- 10-8** में ***i-jk-lLFkkvk ,o u-LFkk-fudk;k rFkk rhuk idkj d u-LFkk-fudk;k dk iFkd&iFkd vfrjd@?kkVk*** प्रस्तुत किया गया है।

10.12.4 **lkj.kh Ø- 10-8** दर्शाती है, कि जहाँ कुल मिलाकर ***i-jk-lLFkk;*** लगातार बढ़ता हुआ ***?kkVk*** बता रही है, जो 1998–99 के रू. –73.40 करोड़ से बढ़कर 2002–03 में –328.68 करोड़ हो गया। वहीं संपूर्ण अध्ययन अवधि में ***u-LFkk-fudk;k*** ने ***vfrjd*** दर्शाया है। तीनों प्रकार की ***u-LFkk-fudk;k*** ने पृथक–पृथक ***vfrjd*** दर्शाया है। यह अत्यन्त चिंता का विषय है। ***,l le; tc u-LFkk-fudk;k dk viuh lokvk e of) dju ,o mUg cgrj cuku d fy; cMh ek=k e jkf'k;k dh vko'd;rk g] mud ctVk }kjk vfrjd n'kkuk vud i'uk dk tUe nrk gA***

10.12.5 ये ***vfrjd mRiUu ugh gkr***, यदि राज्य में **u-LFkk-fudk;k** का ***vnRr 0;;*** जो 81.04 करोड़ रूपए है इसे देयताओं में शामिल कर लिया जाता। जिसका विस्तृत विवरण नीचे दिया जा रहा है –

i) राज्य सरकार का ऋण – रू. 15.80 करोड़

ii) जीवन बीमा ऋण – रू. 12.46 करोड़

iii) सूडा से उधार – रू. 52.78 करोड़, की कुल ***_.k n;rk,]*** जो कि ***uxj ikfyd fuxek*** के ***y[kk n;rkvk*** का लगभग 72% और शेष 28% ***uxjikfydk ifj'knk ,o uxj ipk;rk*** के है।

10.13.0 राज्य के नगरीय स्थानीय निकायों का वित्तीय परिदृश्य :

10.13.1 अब हम ***uxj ikfyd fuxek] uxjikfydk ifj"knk*** एवं **uxj ipk;rk** का ***iFkd&iFkd foRrh; ifjn';*** प्रस्तुत करेंगे, जो कतिपय वृहतचरों के प्रतिशत के रूप में दिया गया है।

10.13.2 **lkj.kh Ø- 10-9] 10-10 ,o 10-11** में समाहित समंक ***uxj ikfyd fuxek, uxjikfydk ifj"knk ,o uxj ipk;rk*** के वित्त के संबंध में हैं तथा अनुलग्नक में दी गयी सारणियों पर आधारित है। हमें इनसे राज्य की ***u-LFkk-fudk;k*** के वित्त

की एक धूमिल छवि प्राप्त होती है। सारणियों से राज्य के ***u-LFkk-fudk;k*** के वित्त की निम्नलिखित प्रमुख विशेषतायें स्पष्ट होती हैं :–

(i) समय के साथ ***rhuk ikdkj d u-LFkk-fudk;k*** का उनके ***dy jktLo*** में उनके ***Lo; d dj jktLo*** का प्रतिशत घट रहा है,

(ii) ***dy jktLo e xj dj jktLo*** का प्रतिशत अंश भी कम हो रहा है,

(iii) ***Lo; dk dy jktLo] dy jktLo*** के प्रतिशत के रूप में घट रहा है तथा ***uxj ikfyd fuxek*** के मामलें में यह गिरावट काफी अधिक है,

(iv) ***lki x; jktLo] jkT; l vrj.k ,o lgk;rk vunku*** के प्रतिशत अंश में वृद्धि हुई है, जो स्थानीय निकायों की ***ckgjh lkr*** पर बढ़ती निर्भिरता का संकेत है,

(v) यद्यपि ***dy 0;;*** के प्रतिशत के रूप में ***dy Lo; dk jktLo*** पर्याप्त ऊँचा है, परन्तु उसमें क्रमिक गिरावट आई है, जो ***foRrh; fodUnhdj.k*** एवं ***foRrh; Lok;rRrk*** की बिगड़ती स्थिति का द्योतक है,

(vi) ***dy 0;;*** के प्रतिशत के रूप में ***dy jktLo 0;; uxj ikfyd fuxek*** में तो बढ़ा है परन्तु ***uxjikfydk ifj"knk*** एवं **uxj ipk;rk** (2002–03 को छोड़कर) के मामले में क्रमिक रूप से कम हुआ है,

(vii) ***dy 0;;*** के प्रतिशत के रूप में ***ithxr 0;; ,uxj ikfyd fuxek*** में घटा है, परन्तु ***uxjikfydk ifj"knk*** एवं ***uxj ipk;rk*** (2002–03 को छोड़कर) के मामले में बढ़ा है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि बढ़ते हुये ***ithxr 0;;*** से नगरीय क्षेत्रों में अधो–संरचना का निर्माण एवं उसमें सुधार होता है। परन्तु यह निराशाजनक है, कि यह प्रतिशत ***uxj ikfyd fuxek*** के मामले में घट रहा है, जो इस क्षेत्र में काफी कमी की द्योतक है।

(viii) ***rhuk ikdkj d u-LFkk-fudk;k dk feykdj dy ikflr;k] dy 0;; l vf/kd jgh gA*** नागरिक सेवाओं एवं अघोसंरचना की असंतोषजनक एवं खराब स्थिति की पृष्ठभूमि में, जो अपने विस्तार एवं गुणात्मक सुधार के लिये

अधिक साधनों की माँग प्रस्तुत करती है, इस प्रवृत्ति को उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह जानने के लिये कि यह स्थिति कैसे निर्मित हुई, समस्या का गहन अध्ययन आवश्यक है।

10.14.0 नगरीय स्थानीय निकायों के हस्तांतरणों की वृहत स्थिति :

10.14.1 प्रत्येक परिसंघ में सरकार के उच्च स्तरों से निम्न स्तरों को हस्तांतरण अवश्यमभावी है। केन्द्रीय वित्त आयोग, योजना आयोग एवं केन्द्रीय मंत्रालयों की अनुशंसाओं पर केन्द्रीय सरकार से राज्यों को हस्तांतरण लगातार बढ़ते रहे हैं तथा वे अब देश के स.घ.उ. के लगभग 5% हैं। इन हस्तांतरणों का स्थानीय वित्त में क्या स्थान है, अब इस खण्ड में हम इस विषय पर विचार करेंगे।

10.14.2 ***u-LFkk-fudk;k*** को होने वाले ***gLrkrj.k*** इन स्वरूपों में होते हैं – ऐसे ***djk dk Ikik x;k jktLo***, जो न्यायिक रूप से ***LFkkuh; fudk;k*** के क्षेत्र में होने चाहिये, परन्तु जिन्हें राज्य सरकार द्वारा अधिरोपित एवं वसूला जाता है, ***jk-fo-vk-*** की अनुशंसाओं पर राज्य सरकार द्वारा राशियों का अंतरण, राज्य सरकार द्वारा सहायता अनुदान, ऋण एवं अन्य हस्तांतरण। संघीय प्रशासन व्यवस्था की यह एक सामान्य विशेषता है।

10.14.3 हमने पृथक–पृथक रूप से विभिन्न प्रकारों के **u-LFkk-fudk;k *dh ikfIr;k ,o 0;;*** में ऐसे ***gLrkrj.kk*** के योगदान की व्याख्या की है। अब हम राज्य के सार्वजनिक वित्त एवं सभी ***u-LFkk-fudk;k*** के सम्मिलित रूप में इन हस्तातरणों की स्थिति की विवेचना करेंगे, जिससे वृहत चित्र प्रस्तुत किया जा सके। **lkj.kh Ø- 10-12 *vko';d led*** प्रस्तुत करती है।

10.14.4 राज्य की ***xj&ikFkfed l-jk-?k-m-*** के प्रतिशत के रूप में वर्ष 1998–99 में ***dy gLrkrj.k*** 0.38% थे, जो 2002–03 में बढ़कर 0.81% हो गये। अध्ययन अवधि में इस प्रतिशत में लगातार वृद्धि संतोष का विषय है। इस वृद्धि के बावजूद वे ***xj&ikFkfed l-jk-?k-m*** .के अत्यन्त न्यून अनुपात में हैं। केन्द्र से राज्यों को सभी स्रोत से ऐसे ***gLrkrj.k n'k dk l-?k-m-*** के लगभग 5% हैं। इस संख्या की तुलना में राज्य के **u-LFkk-fudk;k** से संबंधित संख्या ***l-jk-?k-m-*** के 1% से कम अत्यन्त कम प्रतीत होती है।

10.14.5 राज्य सरकार के ***dqy jktLo*** के प्रतिशत के रूप में वर्ष 2001–02 में ये ***gLrkarj.k*** 2.27% थे, जो बढ़कर 2002–03 में 2.74% हो गये तथा राज्य सरकार के ***dqy O;;*** के प्रतिशत में 2001–02 में 2.31% थे, जो 2002–03 में बढ़कर 2.67% हो गये। ये अत्यन्त कम प्रतिशत हैं।

10.14.6 अब हम, राज्य के ***u-LFkk-fudk;ksa*** के ***lalk/ku foRr*** में ***gLrkarj.kksa*** के स्थान का परीक्षण करेंगे। वर्ष 1998–99 में ये हस्तांतरण राज्य के ***u-LFkk-fudk;ksa*** की ***dqy ikfIr;ksa*** के 36.69% थे तथा बढ़कर 2002–03 में 60.83% हो गये। ***u-LFkk-fudk;ksa*** के ***dqy O;;*** के प्रतिशत के रूप में 1998–99 में ये ***gLrkarj.k*** 41.37% थे, जो बढ़कर 2002–03 में 64.43% हो गये। राज्य के ***u-LFkk-fudk;ksa*** की ***dqy ikfIr;ksa ,oa dqy O;;*** में ऐसे हस्तांतरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि ***dqy ikfIr;ksa ,oa dqy O;;*** का 50% से अधिक भाग विभिन्न प्रकार के राज्य सरकार के इन ***gLrkarj.kksa*** का होता है।

10.14.7 एक विचार यह व्यक्त किया जाता है, कि बढ़ते हुये हस्तांतरण स्थानीय स्वायतत्ता में अतिक्रमण करते है और साथ ही स्थानीय निकायों की अपने स्वयं के साधन जुटाने की पहल को भी समाप्त करते हैं। इस विचार में कुछ सत्यता हो सकती है, परन्तु हस्तांतरणों के विपरीत प्रभावों को उन्हें स्वयं के साधन जुटाने के प्रोत्साहन से जोड़कर कम किया जा सकता है। आवश्यक यह है, कि स्थानीय निकायों को इन हस्तांतरणों को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप उपयोग में लाने की पर्याप्त स्वतंत्रता होनी चाहिये। इन हस्तांतरणों को किसी भी प्रकार स्थानीय निकायों के स्वयं के साधनों का स्थानापन्न नहीं होना चाहिये। संघीय व्यवस्था में हस्तांतरण राज्य में लम्बवत् एवं क्षैतिज असंतुलनों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ***t:jh ;g gS] fd gLrkarj.k iz.kkyh izxfr'khy] ikjn'khZ] ,oa mn~ns';iw.kZ gks rFkk LFkkuh; fudk;ksa dks viuk Lo;a dk lk/ku tqVkus dk fy;s i;kZIr izksRlkgu nsA*** हम आगे किसी अध्याय में ***u-LFkk-fudk;ksa*** के सहायता अनुदानों की चर्चा करते समय पुनः इन विषयों पर विचार करेंगे।

10.15.0 निष्कर्ष

10.15.1 नगरीय शासन की अपने ***Lo;a dk lk/kuksa dh [kjkc foRrh; fLFkfr izeq[k :i ls fuEufyf[kr dkj.kksa ls gks ldrh gS %&***

(i) ***u-LFkk-fudk;ksa*** का ***ladqfpr dj vk/kkj*** तथा स्थानीय ***djksa dh de ykspnkj izd`fr]***

(ii) उनके द्वारा सेवाओं के लिये ***olwyh x;s eqY; ;k rks de gSa vFkok ux.; gSa]***

(iii) ***Hkkjh iz'kklfud ,oa LFkkiuk O;;]***

(iv) ***LFkkuh; fudk;ksa }kjk Lo;a dk lk/ku tqVkus dh fn'kk esa vi;kZIr iz;klA***

10.15.2 खराब वित्तीय स्थिति के कारण न.स्था.निकायों को काफी सीमा तक राज्य सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है, विशेषतयः अपने पूँजीगत निवेश के वित्त पोषण के लिये। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में छोटे न.स्था.निकायों को तो अपने दैनंदिन व्ययों की प्रतिपूर्ति के लिये भी राज्य सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है।

10.15.3 एक अगले अध्याय में हम नगरीय अधोसंरचना के वित्त पोषण के विभिन्न प्रकारों के गुणदोष एवं उनकी व्यवहार्यता और साथ ही ***mudk foRr dh iqujpuk*** संबंधी विषयों पर चर्चा करेंगे ।

सारणी क. 10.1

dsUnz ,oa jkT; foRr ds lanHkZ esa LFkkuh; fudk;ksa dk foRr

(1998-99 ls 2002-03)

Ø-	ladsrd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	राज्य के स्थानीय निकायों का कुल राजस्व केन्द्रीय सरकार की कुल प्राप्तियों	0.13	0.12	0.15	0.12	0.11

	के % में					
2.	स्थानीय निकायों का कुल व्यय केन्द्र सरकार के कुल व्यय के % में	0.13	0.19	0.24	0.21	0.21
3.	स्थानीय निकायों के स्वयं का राजस्व, राज्य सरकार के राजस्व के % में	-	-	-	6.75	5.15
4.	स्थानीय निकायों का कुल राजस्व, राज्य सरकार के कुल राजस्व के % में	-	-	-	9.51	9.00
5.	स्थानीय निकायों का स्वयं का कर राजस्व, राज्य सरकार के स्वयं के कर राजस्व के % में	-	-	-	4.19	3.53
6.	स्थानीय निकायों का कुल व्यय, राज्य सरकार के कुल व्यय के % में	-	-	-	14.29	13.68
7.	स्थानीय निकायों का राजस्व व्यय, राज्य सरकार के राजस्व व्यय के % में	-	-	-	10.55	10.62
8.	स्थानीय निकायों का पूंजीगत व्यय, राज्य सरकार के पूँजीगत व्यय के % में	-	-	-	55.30	35.28

स्रोत– स्थानीय निकायों के राजस्व एवं व्यय संबंधी समंक छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग द्वारा XIIवें वित्त आयोग को प्रस्तुत स्मरण पत्र से लिये गये हैं तथा राज्य एवं केन्द्रीय वित्त के समंक भारतीय रिज़र्व बैंक के दस्तावेजों से लिये गये है तथा राज्य के संमंक बजट संक्षेप से लिये गये हैं।

सारणी क्र. 10.2

xkeh.k ,o uxjh; nkuk LFkkuh; fudk;k d jktLo ,o 0;;] l-jk-?k-m- d ifr'kr e

(1998-99 l 2002-03)

Ø-	l|dr	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1	स्थानीय निकायों की कुल प्राप्तियाँ	2.07	2.05	2.57	1.78	1.78
2	स्थानीय निकायों का कुल व्यय	2.30	2.24	3.29	2.65	2.77
3	स्थानीय निकायों का कुल कर राजस्व	0.25	0.20	0.28	0.28	0.26
4	कुल स्वयं का राजस्व	0.66	0.57	1.00	0.62	0.54
5	कुल राजस्व व्यय	1.34	1.28	2.06	1.75	1.86
6	कुल पूँजीगत व्यय	0.95	0.96	1.22	0.89	0.92

सारणी क्र. 10.3

1- xj d"k l-jk-?k-m- d % d :i e u-LFkk-fudk;k dk jktLo ,o 0;;

(1998-99 l 2002-03)

d|-	l|dr	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03

1	2	3	4	5	6	7
1.	कुल राजस्व	1.05	1.07	1.87	1.40	1.34
2.	कुल व्यय	0.93	0.82	1.30	1.21	1.26
3.	कुल स्वयं का कर राजस्व	0.36	0.29	0.40	0.44	0.37
4.	कुल स्वयं का राजस्व	0.66	0.56	1.17	0.70	0.52
5.	पूँजीगत व्यय	0.31	0.30	0.46	0.39	0.42

2- ikFkfed {k= dk l-jk-?k-m-dk % dk :i esa i-jk-l LFkkvksa dk jktLo ,oa O;;

Ø-	l|dr	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	कुल राजस्व	4.00	3.75	3.91	2.39	2.68
2.	कुल व्यय	4.88	4.71	7.06	4.89	5.81
3.	कुल स्वयं का कर राजस्व	0.04	0.03	0.05	0.04	0.04
4.	कुल स्वयं का राजस्व	0.64	0.59	0.69	0.50	0.56

सारणी क्र. 10.4

jkT; esa LFkkuh; fudk;ksa dh jktdks"kh; Lok;rRrk

(1998-99 ls 2002-03)

Ø-	l|dr	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल व्यय के	28.53	25.79	30.49	23.44	19.31

	% में					
2.	कुल स्वयं का राजस्व, राजस्व व्यय के % में	48.77	45.02	48.56	35.34	28.82
3.	कुल प्राप्तियाँ, कुल व्यय के % में	90.10	91.83	78.26	67.54	64.30
4.	कर राजस्व, कुल प्राप्तियों के % में	11.93	9.67	10.97	15.82	14.57
5.	गैर कर राजस्व, कुल प्राप्तियों के % में	19.73	18.41	27.99	18.88	15.46
6.	स्वयं का राजस्व, कुल राजस्व के % में	31.66	28.08	38.96	34.70	30.03
7.	सौपा गया राजस्व, अंतरण एवं अनुदान कुल राजस्व के % में	68.34	71.92	61.04	65.30	69.97
8.	राजस्व व्यय, कुल व्यय के % में	58.49	57.28	62.79	66.31	67.00
9.	पूँजीगत व्यय, कुल व्यय के % में	41.51	42.72	37.21	33.69	33.00

lkj.kh Ø- 10-5
jkT; esa LFkkuh; fudk;ksa ds fodsUnhdj.k ,oa jktdks"kh; Lok;rRrk vuqikr
(1998-99 ls 2002-03)

Ø-	ladsrd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	व्यय विकेन्द्रीकरण अनुपात	-	-	-	14.29	13.68
2.	राजस्व विकेन्द्रीकरण अनुपात	-	-	-	4.19	3.53
3.	राजकोषीय स्वायतत्ता अनुपात	28.53	25.79	30.49	22.44	19.31

सारणी क्र. 10.6
jkT; ds u-LFkk-fudk; dk jktLo ,oa O;;
dsUnz ,oa jkT; ljdkj ds jktLo ,oa O;; ds % ds :i esa
¼1998&99] 2001&02 ,oa 2002&03½

Ø-	ladsrd	dsUnz ljdkj		jkT; ljdkj	
		1998-99	2002-03	2001-02	2002-03

1	2	3	4	5	6
1	राज्य की **u-LFkk-fudk;k** की कुल प्राप्तियाँ, केन्द्र सरकार/राज्य सरकार की प्राप्तियों के प्रतिशत में	0.05	0.06	4.53	4.50
2	**u-LFkk-fudk;k** का कुल व्यय, केन्द्र/राज्य सरकार के व्यय के प्रतिशत में	0.05	0.06	3.97	4.15

सारणी क्र. 10.7

jkT; d u-LFkk-fudk;k dk foRr

(1998-99 l 2002-03)

Ø-	l dr d	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व, कुल राजस्व के % में	34.19	26.94	21.70	31.47	27.58
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व, कुल राजस्व के % में	29.12	25.50	40.94	18.39	11.60
3.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल राजस्व के % में	63.31	52.44	62.64	49.86	39.17
4.	सौंपा गया राजस्व+अंतरण, कुल राजस्व के % में	7.87	8.74	7.92	9.63	17.59
5.	सहायता अनुदान, कुल राजस्व के % में	25.53	36.41	26.17	37.16	39.64
6.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल व्यय के % में	71.39	69.37	90.08	57.83	41.50
7.	कुल प्राप्तियॉ, कुल व्यय के % में	112.76	132.29	143.80	115.98	105.93
8.	राजस्व व्यय, कुल व्यय के % में	66.52	63.11	64.55	67.64	66.96
9.	पूँजीगत व्यय, कुल व्यय के % में	33.48	36.89	35.45	32.36	33.04

सारणी क्र. 10.8

jkT; d LFkkuh; fudk;k dk vfrjd@?kkVk

(1998-99 l 2002-03)

(करोड़ रूपये)

Ø-	LFkkuh; fudk;	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7

1.	पं.रा.संस्थाए	-73.40	-89.34	-267.74	-288.47	-328.68
2.	न.स्था.निकाय	18.64	42.87	91.68	34.69	15.76
i.	नगर पालिक निगम	2.61	20.91	65.30	9.18	-11.42
ii.	नगर पालिका परिषद्	10.65	16.07	17.95	17.00	23.07
iii.	नगर पंचायत	5.38	5.89	8.43	8.51	4.11

सारणी क्र. 10.9

uxj ikfyd fuxek dk foRrh; ifjn';

(1998-99 ls 2002-03)

Ø-	ladsrd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व, उनके कुल राजस्व के % में	37.47	24.39	19.29	33.69	30.38
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व, कुंल राजस्व के % में	32.43	27.20	49.29	17.97	9.28
3.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल राजस्व के % में	69.90	51.59	68.58	51.66	39.66
4.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल व्यय के % में	71.57	64.07	98.83	54.71	37.32
5.	सौंपा गया राजस्व और अंतरण, कुल राजस्व कें % में	3.77	6.73	5.50	5.64	13.28
6	सहायता अनुदान, कुल राजस्व के % में	23.86	40.17	23.19	39.71	44.24
7.	राजस्व व्यय, कुल व्यय के % में	70.00	67.14	69.75	76.24	74.11
8.	पूँजीगत व्यय, कुल व्यय के % में	30.00	32.86	30.25	23.76	25.89
9.	कुल राजस्व, कुल व्यय के % में	102.39	124.19	144.12	105.91	94.10

सारणी क्र. 10.10

uxj ikfydk ifj'knk dk foRrh; ifjn';

(1998-99 ls 2002-03)

Ø-	l:d|r d	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व, उनके कुल राजस्व के % में	28.15	33.68	28.99	28.26	22.39
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व, कुंल राजस्व के % में	24.45	22.55	20.17	18.51	15.65
3.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल राजस्व के % में	52.60	56.23	49.15	46.77	38.04
4.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल व्यय के % में	74.04	83.35	68.14	64.60	54.69
5.	सौंपा गया राजस्व और अंतरण, कुल राजस्व कें % में	21.40	14.60	16.74	21.66	31.19
6.	सहायता अनुदान, कुल राजस्व के % में	21.78	25.43	30.07	28.27	26.39
7.	राजस्व व्यय, कुल व्यय के % में	54.90	51.73	49.08	41.77	43.15
8.	पूँजीगत व्यय, कुल व्यय के % में	45.10	48.27	50.99	58.23	56.85
9.	कुल राजस्व, कुल व्यय के % में	140.77	148.21	138.64	138.13	143.76

सारणी क्र. 10.11

uxj i¡pk;rk dk foRrh; ifjn`';
(1998-99 l 2002-03)

Ø-	l¡drd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व, उनके कुल राजस्व के % में	25.40	23.83	23.60	25.02	22.61
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व, कुंल राजस्व के % में	16.99	23.52	21.93	20.79	16.47
3.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल राजस्व के % में	42.39	47.35	45.53	45.81	39.08
4.	कुल स्वयं का राजस्व, कुल व्यय के % में	63.28	68.82	71.41	68.38	47.31
5.	सौंपा गया राजस्व और अंतरण, कुल राजस्व के % में	5.46	4.87	5.72	6.32	7.20
6.	सहायता अनुदान, कुल राजस्व के % में	45.46	43.80	42.73	42.13	46.61
7.	राजस्व व्यय, कुल व्यय के % में	59.52	65.43	61.43	53.04	60.28
8.	पूँजीगत व्यय, कुल व्यय के % में	40.48	34.57	38.57	42.96	39.72
9.	कुल राजस्व, कुल व्यय के % में	149.27	145.34	156.84	149.28	121.07

सारणी क्र. 10.12

u-LFkk-fudk;ksa dks fd;s tkus okys dqy gLrkarj.k % lef"Vxr fLFkfr

(1998-99 ls 2002-03)

(लाख रूपये)

dz-	u-LFkk- fudk;ksa dk gLrkarj.k	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1	नगर पालिक निगम	3361	5197	6703	7949	10998
2	नगर पालिका परिषद्	1743	2162	3275	3278	4696
3	नगर पंचायत	939	994	1267	1397	1439
	dqy gLrkarj.k	**6043**	**8353**	**11245**	**12624**	**17133**
i	कुल हस्तांतरण, गैर प्राथमिक स.रा.घ.उ.के % में	0.38	0.52	0.70	0.70	0.81
ii	राज्य सरकार की कुल प्राप्तियों के % में	-	-	-	2.27	2.74
iii	राज्य सरकार के कुल व्यय के % में	-	-	-	2.31	2.67
iv	u-LFkk-fudk;ksa की कुल प्राप्तियों के % में	36.69	47.56	37.36	50.14	60.83
v	u-LFkk-fudk;ksa के कुल व्यय के % में	41.37	62.92	53.73	58.15	64.43

अनुलग्नक क. 10.1

jkT; esa LFkkuh; fudk;ksa dk lEefyr foRr

(1998-99 ls 2002-03)

(करोड़ रू.)

		xzkeh.k ,oa uxjh; LFkkuh; fudk;

Ø-	lanrd	xkeh.k ,oa uxjh; LFkkuh; fudk;				
		1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व	59.44	50.50	69.54	83.55	82.08
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व	98.28	96.11	117.40	99.72	87.13
3.	स्वयं का कुल राजस्व	157.72	146.61	246.93	183.27	169.21
4.	सौंपे गये राजस्व एवं अंतरण	26.66	29.30	38.03	38.68	64.22
5.	राज्य सरकार से सहायता अनुदान	157.49	188.55	188.66	161.92	181.36
6.	अन्य (ऋण, केन्द्रीय अनुदान एवं केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं)	156.28	157.67	160.26	144.27	148.70
7.	कुल अन्य राजस्व	340.42	375.52	386.96	344.87	394.29
8.	कुल प्राप्तियॉ	498.14	522.13	633.89	528.13	563.50
9.	राजस्व व्यय	323.41	325.68	508.56	518.52	587.20
10.	पूँजीगत व्यय	229.49	242.92	301.38	263.39	289.22
11.	कुल व्यय	552.90	568.60	809.95	781.91	876.42

(स्रोतः XII वे वित्त आयोग को प्रस्तुत, वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन का स्मरण पत्र)

अनुलग्नक क्र. 10.2

uxj ikfyd fuxeksa dk foRr

(1998-99 ls 2002-03)

¼: - yk[kksa esa ½

Ø-	lanrd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व	4183	2618	4115	5539	5537
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व	3621	2920	10514	2955	1691
3.	स्वयं का कुल राजस्व	7804	5538	14629	8494	7228
4.	सौंपे गये राजस्व एवं अंतरण	421	722	1173	928	2420
5.	राज्य सरकार से सहायता अनुदान	2664	4312	4947	6530	8064
6.	अन्य (ऋण, केन्द्रीय अनुदान एवं केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं)	276	163	583	491	514
7.	कुल अन्य राजस्व	3361	5197	6703	7949	10998
8.	कुल प्राप्तियॉ	11165	10735	21332	16443	18226
9.	राजस्व व्यय	7633	5804	10324	11837	14354
10.	पूँजीगत व्यय	3271	2840	4478	3688	5014
11.	कुल व्यय	10904	8644	14802	15525	19368

(स्रोतः XII वें वित्त आयोग को प्रस्तुत, वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन का स्मरण पत्र)

अनुलग्नक क्र. 10.3

uxj ikfydk ifj'kn~ dk foRr
(1998-99 l 2002-03)

(लाख रू0 में)

Ø-	l{kdrd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व	1035	1664	1867	1740	1697
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व	899	1114	1299	1140	1186
3.	स्वयं का कुल राजस्व	1934	2778	3166	2880	2883
4.	सौंपे गये राजस्व एवं अंतरण	787	721	1078	1334	2364
5.	राज्य सरकार से सहायता अनुदान	801	1256	1937	1741	2000
6.	अन्य (ऋण, केन्द्रीय अनुदान एवं केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं)	155	185	260	203	332
7.	कुल अन्य राजस्व	1743	2162	3275	3278	4696
8.	कुल प्राप्तियॉ	3677	4940	6441	6158	7579
9.	राजस्व व्यय	1434	1724	2277	1862	2275
10.	पूँजीगत व्यय	1178	1609	2369	2596	2997
11.	कुल व्यय	2612	3333	4646	4458	5272

(स्रोत : वही अनुलग्नक क्र. 10.2)

अनुलग्नक क. 10.4

uxj ipk;rks dk foRr

(1998-99 ls 2002-03)

(लाख रू. में)

Ø-	ladrd	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व	414	450	549	645	534
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व	277	444	510	536	389
3.	स्वयं का कुल राजस्व	691	894	1059	1181	923
4.	सौंपे गये राजस्व एवं अंतरण	89	92	133	163	170
5.	राज्य सरकार से सहायता अनुदान	741	827	994	1086	1101
6.	अन्य (ऋण, केन्द्रीय अनुदान एवं केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं)	109	75	140	148	168
7.	कुल अन्य राजस्व	939	994	1267	1397	1439
8.	कुल प्राप्तियॉ	1630	1888	2326	2578	2362
9.	राजस्व व्यय	650	850	911	985	1176
10.	पूँजीगत व्यय	442	449	572	742	775
11.	कुल व्यय	1092	1299	1483	1727	1951

(स्रोत : वही अनुलग्नक क. 10.2)

अनुलग्नक क. 10.5

राज्य में न.स्था.निकायों का सम्मिलित वित्त
(1998-99 से 2002-03)

(लाख रु. में)

क्र.	संकेतक	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1	2	3	4	5	6	7
1.	स्वयं का कर राजस्व	5632	4732	6531	7924	7768
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व	4797	4478	12323	4631	3266
3.	स्वयं का कुल राजस्व	10429	9210	18854	12555	11034
4.	सौंपे गये राजस्व एवं अंतरण	1297	1535	2384	2425	4954
5.	राज्य सरकार से सहायता अनुदान	4206	6395	7878	9357	11165
6.	अन्य (ऋण, केन्द्रीय अनुदान एवं केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं)	540	423	983	842	1014
7.	कुल अन्य राजस्व	6043	8353	11245	12624	17133
8.	कुल प्राप्तियॉ	16472	17563	30099	25179	28167
9.	राजस्व व्यय	9717	8378	13512	14684	17805
10.	पूँजीगत व्यय	4891	4898	7419	7026	8786
11.	कुल व्यय	14608	13276	20931	21710	26591

(स्रोत : वही अनुलग्नक क्र. 10.2)

अनुलग्नक क. 10.6

u-LFkk-fudk;ksa dk izfr O;fDr jktLo ,oa O;; 2001&02

(रूपयों में)

Ø-	ladsrd	uxj ikfyd fuxe	uxj ikfydk ifj"kn~	uxj iapk;r
1	2	3	4	5
1.	स्वयं का कर राजस्व	198.82	179.94	88.36
2.	स्वयं का गैर कर राजस्व	106.07	117.89	73.42
3.	स्वयं का कुल राजस्व	304.88	297.83	161.78
4.	सौंपे गये राजस्व एवं अंतरण	33.31	137.95	22.33
5.	राज्य सरकार से सहायता अनुदान	234.39	180.04	148.77
6.	अन्य (ऋण, केन्द्रीय अनुदान एवं केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं)	17.62	20.99	20.27
7.	कुल अन्य राजस्व	285.32	338.99	191.37
8.	कुल प्राप्तियॉ	590.20	636.81	353.15
9.	राजस्व व्यय	424.87	192.55	134.93
10.	पूँजीगत व्यय	132.38	268.46	101.64
11.	कुल व्यय	557.25	461.01	236.58

(स्रोतः संमकों एवं जनगणना रिपोर्ट, 2001 से प्रगणित)